**भारत सरकार**
**रेल मंत्रालय**

**लोक सभा**
**31.07.2024 के**
**अतारांकित प्रश्न सं. 1447 का उत्तर**

**होशंगाबाद में निर्माणाधीन उपरि पुल**

**1447. श्री दर्शन सिंह चौधरी:**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

**(क) होशंगाबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में सरकार द्वारा कितने उपरिपुल और अंडरपास निर्मित किए गए हैं/निर्माणाधीन हैं/निर्माण के लिए प्रस्तावित हैं;**

**(ख) क्या सोनताली, बनखेड़ी, सालीचौका, बोहानी जैसे छोटे स्टेशनों का पेयजल, उचित शेड आदि जैसी मूलभूत सुविधाओं के साथ नवीकरण किए जाने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और**

**(ग) क्या इटारसी और जबलपुर के बीच लोकल शटल ट्रेन को पुनः शुरू किए जाने की संभावना है जिसे कोरोना काल में बंद कर दिया गया था?**

**उत्तर**

**रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री**

**(श्री अश्विनी वैष्णव)**

**(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।**

**********

s.k

**होशंगाबाद में निर्माणाधीन उपरि पुल के संबंध में दिनांक 31.07.2024 को लोक सभा में श्री दर्शन सिंह चौधरी के अतारांकित प्रश्न सं. 1447 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।**

**(क) से (ग):** भारतीय रेल पर समपारों के स्थान पर ऊपरी/निचले सड़क पुल के कार्यों को स्वीकृत करना सतत् और गतिशील प्रक्रिया है। ऐसे कार्य प्राथमिकता, गाड़ी परिचालन में संरक्षा पर इसके प्रभाव, गाड़ियों की गतिशीलता एवं सड़क प्रयोक्ताओं पर प्रभाव, व्यवहार्यता और निधि की उपलब्धता आदि के आधार पर किए जाते हैं।

01.07.2024 की स्थिति के अनुसार, मध्य प्रदेश राज्य में कुल 1285 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुल मौजूद हैं। वर्तमान में, होशंगाबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में 26 अदद आरओबी/आरयूबी सहित मध्य प्रदेश राज्य में 298 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुल स्वीकृत किए गए हैं, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न स्तर पर है।

रेल मंत्रालय द्वारा हाल ही में 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की गई है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है।

इस योजना में प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए स्टेशनों पर स्टेशनों तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालयों, शौचालयों, आवश्यकता अनुसार लिफ्टों/स्वचालित सीढ़ियों, स्वच्छता, निःशुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणालियों, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यापारिक बैठकों के लिए नामांकित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं को बेहतर करने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणों में उसका क्रियान्वयन शामिल है।

s.k

इस योजना में स्टेशन इमारत में सुधार, शहर के दोनों छोर के साथ स्टेशन को जोड़ने, मल्टीमॉडल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, स्थायी और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान, आवश्यकता, चरणबद्ध योजना और व्यवहार्यता के अनुसार लंबी अवधि में स्टेशन पर सिटी सेंटरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अभी तक, भारतीय रेल में इस योजना के अंतर्गत बानापुरा, गाडरवारा, इटारसी जंक्शन, करेली, नर्मदापुरम् (होशंगाबाद), नरसिंहपुर, और पिपरिया स्टेशनों सहित 1324 रेलवे स्टेशनों को इस योजना के तहत विकसित करने हेतु चिह्नित किया गया है।

मध्य प्रदेश राज्य में 80 अदद स्टेशनों को विकसित करने हेतु चिन्हित किया गया है जो निम्नानुसार हैं:

| राज्य | स्टेशन का नाम |
|---|---|
| मध्य प्रदेश | अकोदिया, अमला, अनूपपुर, अशोकनगर, बालाघाट, बानापुरा, बरगवां, ब्योहारी, बेरछा, बेतूल, भिंड, भोपाल, बिजुरी, बीना, बियावरा राजगढ़, छिंदवाड़ा, डबरा, दामोह, दतिया, देवास, गाडरवारा, गंजबासौदा, घोड़ाडोंगरी, गुना, ग्वालियर, हरदा, हरपालपुर, होशंगाबाद, इंदौर, इटारसी जंक्शन, जबलपुर, जुन्नारदेव, करेली, कटनी जंक्शन, कटनी मुरवारा, कटनी साउथ, खाचरोड, खजुराहो, खंडवा, खिरकिया, लक्ष्मीबाई नगर, मैहर, मक्सी, मंडलाफोर्ट, मंदसौर, एमसीएस छतरपुर, मेघनगर, मुरैना, मुलताई, नागदा, नैनपुर, नरसिंहपुर, नीमच, नेपानगर, ओरछा, पांढुर्ना, पिपरिया, रतलाम, रीवा, रूठियाई, सांची, संत हिरदाराम नगर, सतना, सागेर, सीहोर, सिवनी, शहडोल, शाजापुर, शामगढ़, श्योपुर कलां, शिवपुरी, श्रीधाम, शुजालपुर, सिहोरा रोड, सिंगरौली, टीकमगढ़, उज्जैन, उमरिया, विदिशा, विक्रमगढ़ आलोट |

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का उन्नयन/विकास/पुनर्विकास एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य परस्पर प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकता के अनुसार किए जाते हैं। बहरहाल, स्टेशनों के

उन्नयन/विकास/पुनर्विकास के लिए कार्य को मंजूरी देने और निष्पादित करते समय निम्न कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

वर्तमान में, जबलपुर-इटारसी सेक्टर को 74 जोड़ी गाड़ी सेवाओं द्वारा सेवित किया जा रहा है, जिनमें 06619/06620 इटारसी-जबलपुर-कटनी मेमू (प्रतिदिन) शामिल है, जिसका परिचालन 14.08.2021 से किया जा रहा है। इसके अलावा, यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधन उपलब्धतता आदि के अध्यधीन नई गाड़ी सेवाओं की शुरुआत करना सतत् प्रक्रिया है।

******

s.k